भारतीय उड्डयन (Indian Aviation) इतिहास की पूरी जानकारी दीजिये |

हाल ही में नागरिक उड्डयन सचिव राजीव वंसल ने कहा , भारत एक दशक के अंत तक वैश्विक स्तर पर शीर्ष उड्डयन बाजार के रूप में उभर सकता है मतलब भारत पूरी दुनिया के पहले स्थान पर आ सकता है, तो आज हम भारतीय उड्डयन (Indian Aviation) के बारे में समझेंगे |

जोकि अधिकांस मापदंडों पर संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन को पीछे छोड़ देगा

भारतीय उड्डयन (Indian Aviation) की नई स्कीम

आज के युग में भारत देश में हर कोई हवाई जहाज से सफ़र कारना चाहता है तो क्या उनका यह सपना पूरा हो सकता है इसी को ध्यान में रखने के लिए यह स्कीम लायी गयी है जिसका नाम 'उड़ान' है |

पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक उभरा। ज्यादातर देश के लोग हवाई जहाज पर सफ़र कर रहे और करना भी चाहते है,

भारतीय उड्डयन (Indian Aviation) का भारतीय बाजार

Journalismology

वैसे तो दुनियां सबसे बड़ा बाजार अमेरिका और चायना का है लेकिन भारत उससे पीछे नहीं है, वहीँ भारत वर्तमान में दुनिया का 7वां सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन बाजार है जो कि अपने आप में बहुत बड़ा बाजार, दूसरी दुनिया या दुसरे बाजार से बड़ा माना जाता है अगले 10 वर्षों में इसके तीसरे सबसे बड़े बाजार बनने की उम्मीद है।

दुनियां की नजरें यहाँ भी रहेंगी

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) के अनुसार, भारत के अगले दस वर्षों में, 2030 तक, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े हवाई यात्री बाजार के रूप में चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकलने की उम्मीद है। कयास तो यहाँ तक लगाये जा रहे है कि भारत सरकार यहाँ और भी प्रोजेक्ट ले कर आएगी ताकि भारत देश में भारतीय उड्डयन का सफ़र और भी सरल बनाया जा सके | वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का घरेलू यात्री यातायात बढ़कर 16 करोड़ और 2029-30 तक 35 करोड़ होने का अनुमान है।

FY22 में, भारत में हवाई अड्डों ने वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में घरेलू यात्री ट्रैफ़िक 166.8 मिलियन, 58.5% YoY वृद्धि, और अंतर्राष्ट्रीय यात्री ट्रैफ़िक 22.1 मिलियन, 118% YoY वृद्धि होने का अनुमान लगाया।

यहाँ हम आपको बता दें YoY का मतलब Year-over-year growth होता है इसको प्रत्येक फाइनेंसियल इयर में देखा जाता है|

पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि ज्यादातर लोग डोमेस्टिक फ्लाइट को लेते देखे गये है और यह भी देखा जा रहा है आने वाले अगले 10 वर्षों में यात्रायें और ज्यादा बढेगी |

एफडीआई: ग्राउंड हैंडलिंग सेवाओं और रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल सेवाओं (एमआरओ) और ग्रीन और ब्राउनफील्ड दोनों परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति है। 1944 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन पर कन्वेंशन पर 7 दिसंबर 1944 को हस्ताक्षर किए गए थे|

कुछ शिकायत के आंकडे आपके सामने है

भारत देश में सबके पास पासपोर्ट न होने के कारन बहुत से लोग विदेश की यात्रा नहीं कर पते है और कुछ आंकडे आपके सामने है जो उड्डयन क्षेत्र में आगे देखने को नहीं मिलेंगे |

हाल के आंकड़े बताते है उड़ान में देरी और भोजन जैसी और जानकारी समय पर न देने की शिकायते दिन- प्रतिदिन बदती ही जा रही है

journalismology

उड़ान में देरी 41% , भोजन तथा मनोरंजन सहित इन-फ्लाइट सेवा की शिकायतें 37%, सीटों तथा मनोरंजन प्रणालियों सहित विमान के खराब इंटीरियर शिकायतें 28%,

उड़ान और हवाई अड्डे पर एयरलाइन कर्मचारियों के व्यवहार में शिकायते 22%,बोर्डिंग और चेक-इन प्रक्रियाएं और सामान प्रबंधन में शिकायतें 30% तथा समय से जानकारी न मिलते की शिकायतें 28% है

जिसके बाद other शिकायतें 7% और 6% लोगों नी कोई जबाब नहीं दिया | ये डाटा अपने आप में में बहुत ही चिंता का विषय है भारतीय उड्डयन के लिए चिंता का विषय बन सकता है |

International civil aviation organization की जानकारी दीजिये

यह UN की एक स्पेशल एजेंसी है जिसको 1944 में स्थापित किया गया था | 7 दिसम्बर1944 को इस पर Sign किया गया था इसका हेडक्वार्टर सिकागो में है जिसमें 193 देश सामिल है और भारत भी इसका हिस्सा है | दुनियां में जो भी civil aviation के कानून बनते है वह सब यह संगठन ही बनाता है |

journalismology